परमाणु ऊर्जा केंद्रीय विद्यालय

कक्षा - 6

निबंध- दीपावली

पाठ्य-सामग्री

निबंध लेखन कैसे करें- किसी भी विषय पर निबंध लिखने के लिए सर्वप्रथम उसकी एक रूपरेखा बनानी चाहिए। इस रूपरेखा में हमें यह तय करना होता है कि निबंध की प्रस्तावना या भूमिका (आरंभ) में , मध्य में और अंत (उपसंहार) में क्या-क्या बातें लिखनी हैं। रूपरेखा के अनुसार निबंध लेखन में सरलता हो इसके लिए मुख्य बिन्दुओं को किसी अन्य पृष्ठ पर लिख लेना चाहिए , जिसे निबंध के अन्तर्गत विस्तारित रूप में लिखा जा सके।

निबंध की विशेषता यह होती है कि उसमे लेखक के मौलिक विचार होते हैं , इसलिए निबंध सदैव अपने अनुभवों के आधार पर और अपने शब्दों में लिखना चाहिए। निबंध की भाषा सरल एवं स्पष्ट होनी चाहिए । जिस विषय पर निबंध लिखना हो उससे संबन्धित पर्याप्त जानकारी इकट्ठा करने के पश्चात ही निबंध लिखना चाहिए। निबंध को अनावश्यक रूप से विस्तारित नहीं करना चाहिए अर्थात् विषय-वस्तु को आवश्यकता से अधिक लंबा नहीं खींचना चाहिए । निबंध में आने वाले तथ्यों और बातों को उचित क्रम में ही लिखना चाहिए । इन बिन्दुओं को ध्यान में रखकर एक मौलिक और उत्तम निबंध लिखा जा सकता है।

दीपावली

प्रस्तावना- भारत एक उत्सव-प्रिय देश है । यहाँ अनेक प्रकार के त्योहार मनाए जाते हैं। इन सभी त्योहारों में से चार मुख्य त्योहार हैं- होली, दीपावली, दशहरा और रक्षाबंधन । इस प्रकार दीपावली सबसे बड़े त्योहारों में से एक है। इस त्योहार की हम सबको वर्ष भर प्रतीक्षा रहती है। धनतेरस से प्रारम्भ होकर भाई-दूज तक चलने वाला यह त्योहार कुल पाँच दिनों तक चलता है।

मनाने का समय, कारण एवं तरीका- दीपावली का त्योहार कार्तिक मास की अमावस्या को मनाया जाता है। भारत में हर त्योहार के पीछे कोई न कोई मान्यता अवश्य होती है , दीपावली के पीछे भी एक प्रसिद्ध पौराणिक मान्यता है। कहा जाता है कि भगवान श्री राम इसी दिन चौदह वर्ष का वनवास पूर्ण करके और रावण का वध करके अयोध्या वापस लौटे थे। भगवान श्री राम के अयोध्या लौटने की खुशी में इस दिन पूरी अयोध्या नगरी को दीपकों से सजाया गया था। तब से प्रत्येक वर्ष इसी तिथि को हम दीपावली का त्योहार धूम-धाम से मनाते हैं।

प्रत्येक त्योहार को मनाने का सबका अलग-अलग ढंग होता है, लेकिन उनके पीछे की मान्यताएँ और विश्वास एक सीमा तक समान होते हैं। लोगों का मानना है कि दीपावली के अवसर पर घर की साफ-सफाई करनी चाहिए, जिससे घरों में लक्ष्मी का प्रवेश होता है। वास्तव में दीपावली का त्योहार वर्षा ऋतु की समाप्ति के बाद आता है जिसके कारण घरों की दीवारें गंदी हो जाती हैं साथ ही कीड़े-मकोड़े भी आते हैं इसलिए घरों की सफाई और पुताई की जाती है। पुताई में प्रयोग रसायनों के कारण कीड़े-मकोड़े मर जाते हैं। यह भी माना जाता है कि स्वच्छता में देवत्व का निवास होता है इसलिए भी यह साफ-सफाई की जाती है।

दीपावली के दिन सभी घरों में लक्ष्मी-गणेश की पूजा की जाती है। तरह-तरह के पकवान बनाए जाते हैं, लोग नए-नए वस्त्र पहनते हैं। घरों में दीपक जलाए जाते हैं । बच्चे पटाखे फोड़ते हैं। लोग एक-दूसरे को मिठाई खिलाते हैं तथा उपहार देते हैं।

उपसंहार- दीपावली खुशियों का त्योहार है लेकिन कुछ लोग इस दिन जुआ भी खेलते हैं । हमें इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि हम अपने समाज को इन बुराइयों से बचाएँ। हमें ऐसा कोई कार्य नहीं करना चाहिए जिससे हमारे समाज और धार्मिक और सामाजिक त्योहारों की छवि खराब हो। हमें बहुत ज़्यादा पटाखे नहीं फोड़ने चाहिए क्योंकि पटाखों से वायु एवं ध्वनि प्रदूषण होता है। हमें इन त्योहारों के अवसर पर अपने साथ-साथ दूसरों की खुशियों का भी ध्यान रखना चाहिए। हमें प्रयास करना चाहिए कि हम इस दिन गरीबों को भी मिठाई एवं दीपक आदि बाँट सकें और उनके घरों में भी प्रकाश कर सकें।